Student Name -   Roll No - 642501   Subject - GENERAL STUDIES PAPER-II   Total Score : 136.00

SrNo	1) Q.1 (38.00)	2) Q.2 (38.00)	3) Q.3 (38.00)	4) Q.4 (38.00)	5) Q.5 (38.00)	6) Q.6 (38.00)	7) Q.7 (38.00)	8) Q.8 (38.00)	9) Q.9 (36.00)
1	0.00	13.00	17.00	22.00	12.00	24.00	0.00	16.00	17.00

10) Q.10 (36.00)	11) Q.11 (36.00)	12) Q.12 (36.00)
15.00	0.00	0.00

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

बि०लो०से०आ० B. P. S. C.

परीक्षार्थी के लिए आवश्यक अनुदेश

इन्हें सावधानी से पढ़ें और इनका अनुपालन करें, अन्यथा दंड के भागी होंगे।

परीक्षा / EXAM. 67th Main Examination

विषय / SUB. General Studies - II

तिथि / DATE 30/12/2022

प्रश्न संख्या Q. No.	उत्तर की पृष्ठ संख्या Page No. of ANSWER	प्राप्तांक Marks Obtained परीक्षक भरेंगे
1		
2	1-4	
3	9-11	
4	5-8	
5	19-22	
6	23-26	
7		
8	27-29	
9	12-14	
10	15-18	
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
कुल (अंकों में) TOTAL (IN FIGURES)		
कुल (शब्दों में) TOTAL (IN WORDS)		

परीक्षक EXAMINER

प्रधान परीक्षक HEAD EXAMINER

20360528

मि०मु० 2022-23(B.P.S.C) 4-मोटफ़ी- 35,000/

BPSC

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

संविधान शक्तियाँ
देता है। संविधान
न शक्तियों के
ों के द्वारा व्यक्त
। के संविधान की

राज्य केन्द्र-राज्य
तथा केन्द्र-भाग
पेक्ष में के०वी०

संघीय है।"

ले तथा दूसरे अध्याय
प्रकार के शक्तियाँ
? –

संबंध

वित्तीय

• भाग-12
• अध्याय-1
• अनुच्छेद
-264-293

6-263

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
ID: 27701 - 4/26/2023 12:42:25 PM
ID: 27702 - 5/3/2023 11:38:31 AM
ID: 27706 - 5/9/2023 12:31:36 PM
ID: 27699 - 5/21/2023 2:54:56 PM
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

बि० लो० से० आ०

BPSC

स पृष्ठ पर नहीं लिखें

WRITE ON THIS PAGE

Enter only question number in this margin

2

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

इस हाशिये में परीक्षार्थी कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

खण्ड - I

2\. भारतीय संविधान शक्तियों के पृथक्करण को प्राथमिकता देता है। संविधान के भाग-11 तथा भाग-12 में इन शक्तियों के विभाजन को केन्द्र-राज्य संबंधों के द्वारा व्यक्त किया गया है। ये संबंध देश के संविधान की संघात्मकता को बल देते हैं।

समय के साथ केन्द्र-राज्य संबंधों में खटास आती गयी तथा केन्द्र ज्यादा प्रभावी होता गया। इसी परिप्रेक्ष्य में के.सी. व्हीयर ने कहा -

"हमारा संविधान अर्द्धसंघीय है।"

भाग-11 के पहले तथा दूसरे अध्याय तथा भाग-12 के अनुसार निम्न प्रकार से शक्तियों को विभाजित किया गया है-

केन्द्र-राज्य संबंध

- विधायी
  - भाग-11
  - अध्याय-1
  - अनुच्छेद-245-255
- प्रशासनिक / कार्यकारी
  - भाग-11
  - अध्याय-2
  - अनुच्छेद-256-263
- वित्तीय
  - भाग-12
  - अध्याय-1
  - अनुच्छेद-264-293

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27707 - 4/24/2023 3:35:56 PM

इन शक्तियों के विभाजन के बावजूद राज्य तथा केन्द्र आपस में टकराते रहते हैं। इन टकरावों के कारण है :-

(i) अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास :
अनुच्छेद - 248 के अनुसार जो विषय 7 वीं अनुसूची में वर्णित नहीं है उनपर कानून बनाने का अधिकार सिर्फ केन्द्र को है।

(ii) राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने की केन्द्र की शक्ति :
कभी-कभी ऐसा देखा गया है कि केन्द्र राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बना देता है जिससे टकराव कि स्थिति उत्पन्न होती है।

(iii) आपातकाल की समस्या :
अनुच्छेद 352, 356 तथा 360 के द्वारा केन्द्र द्वारा देश में आपातकाल लगाया जाता है। ऐसी अवस्था में राज्य के सारे अधिकार छिन जाते हैं तथा राज्य केन्द्र के अधीन आ जाते हैं।

(iv) अनुदान आवंटन में पक्षपात :
केन्द्र के द्वारा विपक्षी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों में राशि के आवंटन में भेदभाव किया जाता है। जैसे बिहार की सरकार द्वारा विशेष राज्य के दर्जे की माँग इस संदर्भ

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

बिहार राज्य तथा केन्द्र के बीच विवाद का विषय रही है।

(v) राज्यों में राज्यपाल की भूमिका :
राज्यों में राज्यपाल की भूमिका पर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। उन्हें केन्द्र के एजेन्ट के रूप में देखा जाता।

7 Q.2

(vi) अखिल भारतीय सेवायें :
केन्द्र द्वारा प्रशासकों की अनुसार उनका उपयोग करना राज्यों तथा केन्द्र के बीच विवाद का मुद्दा रहा है।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया गया। उदाहरण के लिए :-

i) प्रशासनिक सुधार आयोग
ii) राजमन्नार समिति
iii) सरकारिया आयोग
iv) पुंछी आयोग।

इन समितियों ने विभिन्न अनुशंसायें की। उनके आधार पर हम कह सकते हैं कि इन समस्याओं को रचनात्मक रूप से संभालने में सहकारी संघवाद बखूबी रूप से उपयोग किया जा सकता है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

सहकारी संघवाद को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कदम उठाए जाने की आवश्यकता है:-

i) राज्यों को स्वायत्तता देना:
राज्य सूची के विषयों पर राज्यों को स्वायत्तता दिया जाना चाहिए। इससे राज्यों के अंदर आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी होगी।

ii) राज्यपाल की नियुक्ति में मुख्यमंत्री से सलाह:
राज्यपाल की नियुक्ति में मुख्यमंत्री से सलाह लिया जाना चाहिए तथा राज्यपाल का कार्यकाल सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

iii) गरीब राज्यों को विशेष अनुदान:
आर्थिक रूप से पिछड़े हुए राज्यों को विशेष अनुदान दिया जाना चाहिए।

iv) अवशिष्ट शक्तियों की अर्थस्पष्ट व्याख्या:
९वीं सूची में वर्णित विषयों के साथ अवशिष्ट शक्तियों की भी विस्तृत व्याख्या की जानी चाहिए।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि देश के आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक विकास के लिए केन्द्र-तथा राज्यों को साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है। संविधान में वर्णित उद्देश्यों की प्राप्ति ही केन्द्र-राज्य संबंधों का ध्येय है। इसलिए सहकारी संघवाद को बढ़ावा देकर देश में न्याय, स्वतंत्रता ... है।

6 Q.2

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

केन्द्र

4\. संसद तथा राज्य विधानमंडलों द्वारा निर्मित कानूनों, निर्णयों तथा फैसलों की न्यायालय द्वारा संविधान के मापदंडों पर स्पष्टीकरण करना ही 'न्यायिक समीक्षा' कहा जाता है।

भारत में न्यायिक समीक्षा की शुरुआत 1982 में जस्टिस पी०एन० भगवती के प्रयासों से शुरू हुआ।

इसके अंतर्गत जनहित याचिका कि शुरुआत की गयी। जिसमें कोई भी व्यक्ति किसी भी मुद्दे पर सीधे या अन्य किसी माध्यम से जनहित याचिका दायर कर सकता है।

इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को संविधान प्रदत्त अधिकार निम्न हैं :-

अनुच्छेद-13 - विधि के शासन का उल्लेख

अनुच्छेद-32 - इसके अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए रिट जारी करता है

अनुच्छेद-132 - सिविल मामलों में न्यायालय का अपीलीय अधिकार

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

<u>अनुच्छेद - 133</u> - प्रशासनिक मामलों में न्यायालय का अपीलिय अधिकार

<u>अनुच्छेद - 134</u> - संवैधानिक मामलों में न्यायालय का अपीलिय अधिकार

<u>अनुच्छेद - 226</u> - उच्च न्यायालयों द्वारा नागरिकों के मूल अधिकारों की रक्षा के लिए रिट जारी किया जाता है।

9 Q.4

यदि 1982 ई. के बाद की स्थिति को देखें तो हम पाते हैं कि न्यायपालिका का ~~कार्य~~ विधायिका पर नियंत्रण पूर्व की अपेक्षा कुछ बढ़ गया है। इसके निम्नांकित पहलू हैं :-

i) <u>संसद की निरंकुशता पर अंकुश :</u>
ऐसा देखा जा रहा था कि संसद निरंकुश होती जा रही थी। उदाहरण 1975 ई. का राष्ट्रीय आपातकाल। इसके लिए न्यायिक सक्रियता की अवधारणा देश के लिए आवश्यक हो गयी थी।

ii) <u>मूल अधिकारों तथा राज्य के नीति निदेशक तत्वों में टकराव :</u>
इन टकरावों के कारण न्यायपालिका की शक्ति में बढ़ोत्तरी हुई क्योंकि संविधान की व्याख्या का बेहतर अनुभव न्यायालयों के पास है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

iii) विकासात्मक राजनीति के लिए आवश्यक :-
संसद तथा राज्य विधानमंडलों को विकास की राजनीति करने के लिए न्यायिक प्रक्रिया जरूरी है।

iv) संविधान की सर्वोच्चता सुनिश्चित :
सर्वोच्च न्यायालय यह सुनिश्चित करता है कि देश का संविधान सर्वोच्च है तथा उसके आगे कोई नहीं है।

v) शक्तियों के विभाजन को सुनिश्चित करना :
संविधान के भाग-11 के अनुसार शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत वर्णित है। सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक प्रक्रिया के द्वारा उसे सुनिश्चित करती है।

न्यायपालिका की इन शक्तियों में बढ़ोतरी से जहाँ एक तरफ फायदा है वहीं कुछ दोष भी विद्यमान है :-

i) न्यायपालिका की निरंकुशता :
इससे न्यायालय निरंकुश हो सकते हैं। और संसद की कार्यवाही पर बिना मतलब व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं।

ii) विकासात्मक कार्यों में बाधक :
कई बार विकासात्मक कार्यों पर भी जनहित याचिका दायर कर उनमें व्यवधान उत्पन्न किया जाता है।

9 Q.4

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

iii) न्यायपालिका पर बोझ :

बढ़ते ही न्यायालयों में मुकदमों की बाढ़ है। ऐसे में वनाधिक पालिका और न्यायिक बैठके मुकदमों को जन्म देती है।

iv) अनुच्छेद-50 की अवहेलना :

अनुच्छेद-50 में यह प्रस्ताव किया गया है कि कार्यपालिका तथा न्यायपालिका को पृथक्करण किया जाना चाहिए। ऐसे 'न्यायिक सक्रियता' इसकी अवहेलना करता है।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि आज न्यायपालिका हमारे मौलिक अधिकारों की रक्षक है। इसलिए 'न्यायिक सक्रियता' की संकल्पना हमारे देश के लिए अति आवश्यक है। परन्तु न्यायपालिका को इसके अपने अधीन ही रखना चाहिए। और इसका प्रयोग विकासात्मक राजनीति में करना चाहिए।

4 Q.4

Examdhara® BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

3\. भारत एक विविधता में एकता वाला देश है। जहाँ विभिन्न वेश-भूषा, धर्म, जाति, संस्कृति के लोग रहते हैं। ~~[illegible]~~ भारत के संविधान द्वारा वर्णित लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुसार इन सभी लोगों की अपनी स्वायत्तता है और यही कारण है कि ये विभिन्न समूहें अपने उद्देश्यों, सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक लाभ के लिए क्षेत्रीय दलों का गठन करते हैं।

भारत में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उदय के निम्नलिखित कारण हैं:-

कारण →
- क्षेत्रीय मुद्दे
- सामाजिक परिवेश
- समाज में विषमता
- जनकर्ताओं का पूरा न होना
- प्रवास समूह के रूप में

i) क्षेत्रीय मुद्दे:-
भारत की विविधता के कारण अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग मुद्दे व्याप्त हैं। इन क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर उस क्षेत्र विशेष के लोग संगठित हो जाते हैं तथा क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की स्थापना करते हैं।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ii) समाज में विषमता :
हमारे देश में हर घर पर विषमता देखने को मिलती है चाहे वो आर्थिक हो, राजनीतिक हो या फिर सामाजिक। इन्हीं के विरोध में क्षेत्रीय दलों का उभार होता है।

iii) दबाव समूह के रूप में :
अक्सर ऐसा देखा जाता है कि ये क्षेत्रीय दल पहले दबाव समूह के रूप में कार्यरत रहते हैं तथा उनकी बात नहीं सुने जाने पर ये सक्रिय राजनीति में प्रवेश करते हैं।

क्षेत्रीय आकांक्षाओं के इस और राष्ट्रीय एकता को संतुष्ट करने के लिए क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की भूमिका के दो पहलू हैं - सकारात्मक तथा नकारात्मक।

सकारात्मक पक्ष :
- देश की विविधता में एकता को सुनिश्चित करते हैं।
- विकास की राजनीति को प्रेरित करते हैं।
- राजनीति में किसी एक समूह की एकाधिकारता को विरत करते हैं।
- पिछड़े तथा वंचित समूहों को भी आगे बढ़ने में मदद करते हैं।
- सामाजिक न्याय की स्थापना करते हैं।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

नकारात्मक पक्ष :

- स्थिर संतुलित सरकार के निर्माण में बाधक
- सामाजिक सद्भाव में कमी ।
- विकास की नीतियों में भी अड़चन ।
- देश की एकता तथा अखंडता को नुकसान ।
- गठबंधन की राजनीति की संभावना बढ़ जाती है ।

समग्रतः हम कह सकते हैं कि क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के आने से ~~क्षेत्रीय~~ राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति तो होगी परन्तु इससे कभी-कभी देश में असंतुलन की स्थिति आ सकती है। इन दलों को अपने मुद्दों के साथ सबके के बजाय देश के विकास में योगदान देना चाहिए तथा सहयोगात्मक भावना से काम करना चाहिए ।

✓ 7 Q.3

✓ 10 Q.3

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin.

इस हाशिये में परीक्षार्थी कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin.

खण्ड - III

9.

बिहार की 88.7% जनसंख्या ग्रामीण है तथा यह जनसंख्या कृषि कार्यों पर आश्रित है। आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार बिहार में कुल खाद्यान्न उत्पादन 17.95 टन है जो कि राज्य कि 15 करोड़ जनसंख्या के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त नहीं है।

इसी कारण बिहार में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रयोग से उत्पादकता बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। कृषि में प्रौद्योगिकी के निम्नांकित प्रयोग वांछनीय हैं :-

कृषि में प्रौद्योगिकी का प्रयोग
- उत्पादन में
- विपणन में
- भंडारण में
- उत्पादकता
- फसल अपशिष्ट प्रबंधन में

i) उत्पादन में :
- मृदा के परीक्षण से पता लगाना कि मृदा में किन पोषक तत्वों की कमी है।
- बीजों के विकास में प्रौद्योगिकी की अतुलनीय भूमिका है हम देखते हैं कि हरित क्रांति के दौर में उच्च उत्पादकता देने वाले बीजों की मदद से देश की खाद्यान्न उत्पादन

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27703 - 4/13/2023 11:57:23 AM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें
Candidate should not write in this margin

क्षमता में तीव्र विकास हुआ।

बिहार में उच्च किस्म के बीजों का प्रयोग किया जाना चाहिए।

- कृषि में मशीनों का प्रयोग किया जाना चाहिए। आज भी बिहार में किसान परंपरागत तौर तरीकों से ही कृषि कार्य करते हैं जिससे उत्पादन में कमी दिखती है।

- सिंचाई की नवीनतम तकनीकों का प्रयोग किया जाना चाहिए। ड्रीप सिंचाई, स्प्रिंकलर सिंचाई का प्रयोग।

- उर्वरकों के अधिकतम उपयोग पर ध्यान देना चाहिए जिस जैविक में तरल खादों एक अच्छा कदम हो सकता है।

- फसलों की निगरानी के लिए ड्रोन का प्रयोग किया जाना चाहिए।

- कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाना चाहिए।

ii) भंडारण में :

हमारे देश में प्रतिवर्ष लाखों टन अनाज गोदामों में पड़े-पड़े सड़ जाता है क्योंकि हमारी पास तकनीक की कमी है।

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

भंडारण में प्रौद्योगिकी के प्रयोग से हम अनाजों को सड़ने से बचा सकते हैं तथा खाद्यान्न संकट को दूर कर सकते हैं।

विपणन में:
- APMC तथा eNAM जैसे डिजीटल माध्यमों का प्रयोग कर हम किसानों को वर्ल्ड बाजार उपलब्ध करा सकते हैं।
- किसानों को डिजीटल तरीके से लेन-देन में निपुण बनाकर विपणन का विकास किया जा सकता है।

iv). फसल अपशिष्ट प्रबंधन में:
- फसलों के अपशिष्ट प्रदूषण प्रदूषण का कारण बनते हैं।
- 'रोहतास मॉडल' को अपना कर हम अपशिष्ट से आमदनी बढ़ा सकते हैं।
-

समग्रतः हम कह सकते हैं कि कृषि में प्रौद्योगिकी के वर्तमान से खाद्य संकट को दूर किया जा सकता है तथा देश के किसानों की आय को दोगुना किया जा सकता है। प्रौद्योगिकी के वर्तमान से न्यूनतम साधनों का प्रयोग करके अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

10 Q.9
7 Q.9

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में अभ्यर्थी कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

10. वर्तमान समय में सम्पूर्ण विश्व पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन तथा कार्बन उत्सर्जन से प्रभावित है। इसके मूल में प्रौद्योगिकी का विकास। तीव्र औद्योगिकरण है। एक तरफ हम अर्थव्यवस्था में नई ऊँचाईयाँ प्राप्त कर रहे हैं तो दूसरी तरफ पर्यावरण को क्षति पहुँचाते पहुँचाते हम ऐसे पर ला दिये हैं कि अब जीवन को भी खतरा हो गया है।

✓ 4 Q.10

प्रौद्योगिकी का विकास तथा उपजे होने वाले पर्यावरणीय नुकसान :-

(i) ऑटोमोबाइल :-

पहिये के अविष्कार को मनुष्य के द्वारा किया जाने वाला अप्रतीम अविष्कार माना जाता है। इस अविष्कार ने मनुष्य को गति प्रदान की। देखते-ही-देखते मानव बैलगाड़ी से कार, कार से हवाई जहाज पर सवार हो गया।

वहीं दूसरे पहलू पर ध्यान केन्द्रित करें तो हम पाते हैं कि इनसे निकलने वाले धुँए तथा कार्बन उत्सर्जन ने आज पृथ्वी का तापमान 1.5°C तक बढ़ा दिया है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin.

✓ 4 Q.10

ii) उद्योग का विकास :

उद्योगों के विकास से हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है।

परन्तु इनसे निकलने वाले अपशिष्ट जल, मृदा, वायु तथा ध्वनि सभी को प्रदूषित करते हैं, इनसे निकलने वाले कुछ से आस लोगों को सांस संबंधित बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

iii) औपोन परत का क्षरण :

मनुष्य आज अंतरिक्ष में भ्रमण के लिए भी जा सकता है।

परन्तु इस विकास की कीमत हम ओपोन परत के क्षरण के रूप में चुका रहे हैं जिससे स्किन कैंसर तथा अन्य प्रकार की बिमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

iv) परमाणु ऊर्जा :

परमाणु ऊर्जा का विकास ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया था परन्तु इसके होने वाले उत्सर्जन से पर्यावरण को क्षति पहुँचती है, और लोगों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

v) कृषि में विकास:
कृषि में नवीनतम उर्वरकों तथा कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है जिससे उत्पादकता में वृद्धि होती है तथा खाद्यान्न की समस्या दूर होता है।
परन्तु यही उर्वरक तथा कीटनाशक रिस कर भूमि में जाते हैं तथा भूमिगत जल और मृदा की उर्वरा शक्ति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।

✓ 5 Q.10

vi) घरेलू सामानों का प्रयोग:
हम अपने आराम के लिए AC, फ्रिज का प्रयोग करते हैं।
परन्तु इससे CFC नामक गैस का उत्सर्जन होता है जो ओजोन परत के क्षरण का कारण बनता है।

vii) अंतरिक्ष के क्षेत्र में क्रांति:
अंतरिक्ष में क्रांति का आज हम GPS, GPS, सैटेलाइट इत्यादि का प्रयोग कर रहे हैं।
परन्तु इसका मलबा समुद्र में जाकर गिरता है जिससे समुद्र का पारिस्थितिकीय को प्रभावित होता है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

समग्रतः हम कह सकते है कि एक तरफ तो प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन को सुलभ बनाया है, तो वही दूसरी तरफ आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसी समस्याएँ छोड़ रहा है जिसका समाधान मिलना मुश्किल है। हमें पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उपाय करने चाहिए नहीं तो वह दिन दूर नहीं जब ~~क~~ पृथ्वी पर जीवन ही समाप्त हो जाएगा।

✓ 2 Q.10

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27700 - 3/4/2023 11:21:55 AM

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें Candidate should not write in this margin

खण्ड - II

5. बिहार में उद्योग क्षेत्र के अन्य वाल्वों की तुलना में कम ही आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 के अनुसार जहाँ देश की ~~उद्योग की उद्‌आय~~ के अर्थव्यवस्था में उद्योग क्षेत्र का हिस्सा 29% था वहीं बिहार का 19.5% । ~~क्षेत्र~~ परन्तु

परन्तु बिहार में आय के मामले में तेजी से विकास हो रहा है पिछले कुछ सालों से बिहार की आर्थिक वृद्धि दर 10.5% से अधिक रही है जो कि देश में सबसे अधिक है

कोरोना काल में जहाँ देश की अर्थव्यवस्था नकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित (-7.5%) कर रही थी वहीं बिहार 7.5% की दर से विकास कर रहा था ।

बिहार के औद्योगिक रूप से पिछड़े होने के निम्नांकित कारण हैं :-

i) कृषि का कम विकास :

बिहार की अर्थव्यवस्था मुख्यत: कृषि पर आधारित परन्तु यहाँ कृषि का विकास कम रहा है। जिसका कारण

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

जोतों का आकार छोटा है

- 97% सिमान्त किसान
- औसत जोत 0.39 ha.
- 45% आधि कृषि योग्य नहीं

ii) जनसंख्या का दबाव :

भारत - 382 व्यक्ति / km^2

बिहार - 1106 व्यक्ति / km^2

इसके उद्योग की स्थापना में परेशानी होती है।

iii) कौशल की कमी :

राज्य के उद्यमी में कौशल की कमी दिखती है।

iv) शिक्षा :-

भारत की साक्षरता दर - 74%.

बिहार की साक्षरता दर - 61.8%.

v) उच्च प्रजनन दर :

बिहार में प्रजनन दर काफी अधिक है।

- भारत प्रजनन दर - 2.1
- बिहार प्रजनन दर - 3.2

vi) निवेश की कमी :

राज्य में निवेशकों की

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27698 - 5/20/2023 4:23:34 PM

कमी है।

vii) Land locked State :-
बिहार एक Land locked State है जिससे माल की ढुलाई में अधिक लागत ज्यादा आती है।

viii) अवसंरचना का निम्न विकास :-
राज्य में अवसंरचना का विकास काफी कम हुआ है जो उद्योगों तथा निवेशकों को आकर्षित नहीं कर पाता।

ix) राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी :-
राज्य की राजनीतिक विकास के बजाय जाति व्यवस्था पर ज्यादा घूमती है जिससे उद्योग का वांछित विकास नहीं हो पाया है।

हाल के दिनों में बिहार ~~सरक~~ सरकार ने राज्य में उद्योगों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं :-

(i) बिहार का स्टार्टअप नीति - 2022
ii) बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति - 2016
iii) जीविका
iv) खाद्य निर्माण ...

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27698 - 5/20/2023 4:23:34 PM

v) खाद्य निगम -2

v) कृषि रोड मैप-3 (2017-22)

vi) बिहार उद्यमी योजना

vii) बिहार महिला उद्यमी योजना

viii) राजधानी विकास मिशन

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि हाल के कुछ वर्षों में बिहार सरकार उद्योगों के विकास के प्रति सजग दिख रही है तथा राज्य का औद्योगिक विकास तेजी से हो रहा है परन्तु हैं इसी प्रकार के प्रयासों को जारी रखने का, जिससे औद्योगिक विकास बढ़ाता जाए तथा बिहार अग्रणी राज्यों की श्रेणी में आ सके।

2 Q.5

10 Q.5

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

6. बिहार सरकार द्वारा 2015 ई. में महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री जीविका' योजना की शुरुआत की गयी।

इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में महिलायें समूह बना कर लघु या कुटीर उद्योगों की स्थापना करती हैं। सरकार द्वारा इसके लिए वित्त आवंटन तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है।

जीविका परियोजना के उद्देश्य :-

i) महिला प्रभावित क्षेत्र –
राज्य सरकार उद्योग में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है क्योंकि हमारे राज्य में महिलाओं की श्रमबल में भागीदारी लगभग 10% है।

ii) राज्य की अर्थव्यवस्था का विकास :
जीविका के माध्यम से राज्य में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा जिससे राज्य का औद्योगिक विकास संभव हो पायेगा।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें
Enter only question number in this margin

iii) राज्य में निवेश को प्रोत्साहन:

वर्तमान समय में राज्य में लगभग 15,000 जीविका समूह कार्यरत है। इससे राज्य में उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहन मिल रहा है।

iv) बेरोजगारी में कमी:

"सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी" की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में

भारत की बेरोजगारी दर - 7.7%
बिहार की " " - 15.7%

इससे यह परिलक्षित होता है कि बिहार की बेरोजगारी देश की लगभग दोगुनी है। जीविका इस बेरोजगारी की दर कम करने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

v) गरीबी में कमी:

नीति आयोग की गरीबी सूचकांक के अनुसार बिहार में 51.91% लोग गरीब है। इसलिए जीविका रोजगार उपलब्ध करा कर लोगों को गरीबी से दूर कर रही है।

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27696 - 5/12/2023 1:56:34 PM

vi) भुखमरी तथा खाद्य सुरक्षा :

भारत, खाद्य सुरक्षा सूचकांक में 71वें पायदान पर है वहीं वैश्विक भुखमरी सूचकांक में पिछले तीन वर्षों में भारत की स्थिति निम्न प्रकार हो रही है।

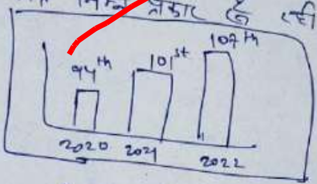

'जीविका' के माध्यम से इस समस्या से निजात मिल रही है।

'जीविका परियोजना' मुख्य रूप से महिलाओं के लिए लायी गयी थी। और यह महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अहम योगदान निभा रही है।

i) महिला कार्यबल में वृद्धि :

बिहार में कार्यबल में महिलाओं की भूमिका अत्यंत निम्न थी। परन्तु इस परियोजना के आने से उसमें सुधार दिख रहा है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

iii) महिला उद्यमी योजना:

'जीविका' परियोजना की सफलता को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा महिला उद्यमी योजना की शुरुआत की गयी है। इसके अंतर्गत निम्न प्रावधान हैं

- 10 लाख का ब्याज मुक्त ऋण
- 5 लाख का अनुदान
- 5 लाख ब्याज मुक्त देय होगा जो की 84 आसान किस्तों में।

iv) महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण:

इस योजना के द्वारा महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक, तथा राजनीतिक सशक्तिकरण हुआ है।

- पंचायतों में महिला प्रतिनिधि = 50%
- पुलिस क्षेत्र में 25000 महिला कर्मी लगभग 25%

4 Q.6

समग्रतः हम कह सकते हैं कि बिहार सरकार की 'जीविका परियोजना' राज्य की महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने में कामयाब रही है। इस योजना से राज्य की महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास संभव हो पाया है।

10 Q.6

10 Q.6

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin.

8. बिहार विभाजन एवं खनिज संसाधनों के लिए संपन्न राज्य के रूप में जाना जाता था। वर्तमान समय में भी बिहार के पास कुछ प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं जो निम्न प्रकार से हैं।

पायराइट – रोहतास
सीसा – जमुई
पेट्रोलियम – पूर्णिया
चूना पत्थर – कैमूर, रोहतास
कोयला – गया, नवादा
तेल – बक्सर, मुजफ्फरपुर

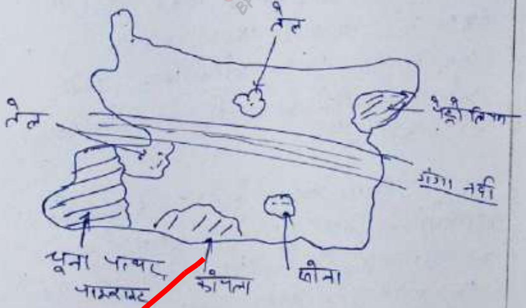

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
ID: 27697 - 5/14/2023 10:33:57 AM

i) पाइराइट :
औरंगाबाद के क्षेत्र में पाइराइट के प्रचुर भंडार उपलब्ध है। इससे राज्य के औद्योगिक विकास में काफी मदद मिल सकती है।

~~पाइराइट की उपयोगिता मुख्यतः~~

ii) चूना पत्थर :
चूना पत्थर कैमूर तथा औरंगाबाद के क्षेत्र में विशेष रूप से पाया जाता है। चूना पत्थर राज्य के उद्योग में अग्रणीय योगदान देता है।

~~iii) अर्थव्यवस्था~~ ये प्राकृतिक संसाधन राज्य में निवेशकों को आकर्षित कर सकते हैं। इस संदर्भ में 2016 में बिहार सरकार द्वारा शुरू की गई बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति की काफी अहम भूमिका हो सकती है।

बिहार सरकार ने राज्य के उद्यमियों के लिए "मुख्यमंत्री उद्यमी योजना" की शुरुआत की है जिसके अंतर्गत 10 लाख तक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया गया है।

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

इस प्रकार हम देखते हैं कि बिहार प्राकृतिक संसाधनों के मामले में उतना संपन्न तो नहीं है परन्तु जो संसाधन उपलब्ध है उसका पूर्ण उपयोग कर हम राज्य की औद्योगिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। तथा बिहार की अर्थव्यवस्था में विकास कर सकते हैं।

✓ 6 Q.8
✓ 10 Q.8

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

ID: 27697 - 5/14/2023 10:33:57 AM

Enter only question number in this margin

Candidate should not write in this margin

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें।
Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें।
Candidate should not write in this margin.

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें। Enter only question number in this margin

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में अभ्यर्थी कुछ न लिखें। Candidate should not write in this margin

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC
For More Study Material Please Visit www.examdhara.com
Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

इस हाशिये में केवल प्रश्न संख्या लिखें।
Enter only question number in this margin

इस हाशिया में उम्मीदवार कुछ न लिखें।
Candidate should not write in this margin

Examdhara BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

इस हाशिये में उम्मीदवार कुछ न लिखें।
Candidate should not write in this margin.

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara®
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

Enter only question number in this margin

बि॰ लो॰ से॰ आ॰ 36 BPSC

Candidate should not write in this margin

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com

बि० लो० से० आ०

BPSC

इस पृष्ठ पर नहीं लिखें

DO NOT WRITE ON THIS PAGE

Examdhara
BPSC | BSSC | BPSSC | CSBC

Vinay Pratap, Rank 29 (67th BPSC) GS-II

For More Study Material Please Visit www.examdhara.com